Series E1GFH/4 **Set No. 2**

प्रश्न-पत्र कोड **29/4/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

	नोट
(I)	*कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **19** हैं ।*
(II)	*प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।*
(III)	*कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*
(IV)	***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
(V)	*इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 48 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, किसी ***एक*** काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

काव्यांश – 1

(क) लहरों के संग खेलता,
एक चमकीला धूप का टुकड़ा ।
खुश होकर एक चंचल मन,
जैसे आईने में देखता हो मुखड़ा ।

कभी लहरों के आगे भागता,
कभी लहरों के पीछे दौड़ता ।
कभी करता जल को आलिंगन,
जैसे अपनी हो पूरी धरा और गगन ।

प्रातःकाल जलधारा भी कुछ यूं मचल जाती,
धूप के नर्म, गोरे चितवन को देख कर ।
कभी साँस रोके एकटक देखती,
कभी हिलोरें भरती, कभी गुदगदाती हँस कर ।

श्वेत कमल सी उजली धूप की काया,
प्रेम और मान पाकर खूब सारा ।
तप कर अंग-अंग फूले न समाता,
प्रेयसी जो है उसकी जलधारा ।

किंतु, साँझ होते ही धूप के टुकड़े को,
घर वापसी की मजबूरी बड़ी अखरती ।
बुझे मन से करके वायदा फिर आने को,
चल देता हौले-से पीली-नारंगी छटा बिखेरता ।

चूं-चूं चहचहाती खगों के मधुर स्वरों में
कहीं खो जाती तब कसक जलधारा की ।
प्रतीक्षा करती फिर शांत भाव से वियोग में,
ओढ़कर आशा भरी मुस्कान, एक नई सुबह की ।।

(i) ‘जैसे आईने में देखता हो मुखड़ा’ — पंक्ति में ‘आईना’ शब्द से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(a) शीशा (b) जलधारा

(c) आकाश (d) धरा

(ii) धूप के टुकड़े के आगे-पीछे भागने का क्या कारण है ?

(a) धूप के टुकड़े की चंचलता

(b) लहरों की गतिशीलता

(c) लहरों से प्रतिस्पर्धा

(d) धूप के टुकड़े की गतिशीलता

(iii) प्रातःकाल होते ही जलधारा क्यों मचलने लगती है ?

(a) चारों ओर फैले प्रकाश को देखकर

(b) धूप के टुकड़े की छवि देखकर

(c) चारों ओर पक्षियों का कलरव सुनकर

(d) प्रकृति का शांत वातावरण अनुभूत कर

(iv) धूप के टुकड़े का अंग-अंग फूला क्यों नहीं समा रहा ?

(a) प्रेयसी की प्रसन्नता अनुभव कर

(b) प्रेयसी का सान्निध्य पाकर

(c) प्रेयसी का प्रेम और मान पाकर

(d) प्रेयसी का मान-सम्मान पाकर

(v) धूप के टुकड़े की प्रेयसी कौन है ?

(a) नदी (b) अवनी

(c) अंबर (d) जलधारा

(vi) साँझ होते ही धूप के टुकड़े की उदासी का कारण क्या है ?

(a) चारों तरफ पसरी कालिमा

(b) घर पहुँचने की विवशता

(c) पक्षियों का नीड़ों में जाना

(d) प्रेयसी से विलग होना

(vii) जलधारा द्वारा एक नई सुबह की प्रतीक्षा करना, दर्शाता है :

(a) कल्पनाशीलता को

(b) परिवर्तनशीलता को

(c) आशावादिता को

(d) गतिशीलता को

(viii) 'प्रतीक्षा करती फिर शांत भाव से वियोग में' — पंक्ति में अलंकार है :

(a) अनुप्रास (b) मानवीकरण

(c) उपमा (d) उत्प्रेक्षा

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो ।
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो ।

चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे ।
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे ।

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये ।
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है ।

तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे ।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती है,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं,
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है ।

पकड़ो अयाल, अन्धड़ पर उछल चढ़ो रे !
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे ।

स्वर में पावक यदि नहीं, वृथा वन्दन है,
वीरता नहीं, तो सभी विनय क्रन्दन है ।
सिर पर जिसके असिघात, रक्त-चन्दन है,
भ्रामरी उसी का करती अभिनन्दन है ।

दानवी रक्त से सभी पाप धुलते हैं
ऊँची मनुष्यता के पथ भी खुलते हैं ।

(i) 'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' पंक्ति का आशय है :
   (a) चट्टानों को काटकर रास्ता बनाना
   (b) चट्टानों को काटकर नदी की धारा बहाना
   (c) कार्यसिद्धि के लिए चट्टानों पर चढ़ना
   (d) कार्यसिद्धि के लिए कठिन परिश्रम करना

(ii) 'पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो' पंक्ति का भाव है :
   (a) महान लक्ष्य बना उसे प्राप्त करने का प्रयास करना
   (b) चंद्रमा की कलाओं से मार्ग रोशन करना
   (c) चंद्रमा को पकड़ उससे अमरत्व प्राप्त करना
   (d) चंद्रमा पर अपनी विजय पताका फहराना

(iii) 'संकटों की परवाह न करते हुए अन्याय का सामना करो ।' — भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है :
   (a) चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे ।
   (b) तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे ।
   (c) मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये ।
   (d) छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये ।

(iv) स्वतंत्र रहना मनुष्य का कौन-सा गुण है ?

(a) आंतरिक (b) बाह्य

(c) क्षणिक (d) स्थायी

(v) 'वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे' — पंक्ति के संदर्भ में 'पर' का अर्थ है :

(a) पराया (b) शत्रु

(c) दूसरा (d) कायर

(vi) जगत में स्वतंत्रता का आनंद कौन उठा सकता है ?

(a) नत होकर वज्र के समान कठोर प्रहार सहन करने वाला

(b) अन्याय सहन करते हुए आन बचाने की कोशिश करने वाला

(c) बिना झुके वज्र के समान कठोर प्रहार सहन करने वाला

(d) अन्याय सहन करते हुए कुछ नहीं बोलने वाला

(vii) 'स्वर में पावक होने' से कवि का अभिप्राय है :

(a) वाणी में कर्कशता होना

(b) वाणी में ओज होना

(c) वाणी में अग्नि होना

(d) वाणी में कठोरता होना

(viii) किसके सिर पर रक्त रूपी चंदन शोभा देता है ?

(a) वीरतापूर्वक युद्ध भूमि में शत्रु से युद्ध करने वालों के

(b) युद्ध भूमि में शत्रु के सामने घुटने टेकने वालों के

(c) युद्ध भूमि में जाने वाले सैनिकों के

(d) युद्ध भूमि में शस्त्रों के वार न झेलने वालों के

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

दुर्बलों की शक्ति जब एकाकार हो उठती है, तब वह अपराजेय बन जाती है । तिनकों की परस्पर आबद्ध कर बनाई गई रस्सी से हाथी को बाँध लिया जाता है । वस्तुतः एकता की शक्ति महान् प्राकृतिक एवं दैवी वरदान स्वरूप है । यही कारण है कि साधारणतः कोई भी जीव-जन्तु अकेले नहीं रहना चाहता । मनुष्य को इसीलिए सामाजिक प्राणी कहा जाता है । जंगलों और गुफ़ाओं में रहने वाला आदिम मानव भी अकेला नहीं रहता था । भोजन और सुरक्षा की खोज में उसे भी दल बनाकर ही रहना पड़ता था । आज भी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उसे सहयोगियों की आवश्यकता रहती है और यही आवश्यकता उसे अन्य लोगों के साथ हिल-मिलकर रहना सिखलाती है । वह अच्छी तरह जानता है और अनुभव करता है कि 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता' । इसी अनुभव एवं आवश्यकता के कारण एकता की भावना का विकास हुआ और हो रहा है । अनेक लोगों का एकमत होकर किसी एक उद्देश्य की प्राप्ति के परस्पर एकमत होकर चेष्टा करना एकता का प्रमुख लक्षण है । प्रत्येक जाति, समाज अथवा राष्ट्र के जीवन में एकता महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है ।

एकता की शक्ति अपराजेय है । वह जिसे प्राप्त हो गई वही अपराजेय बन गया । वह एक ऐसा केंद्रीय तत्त्व है जो विभिन्न इकाइयों के बीच दूरी समाप्त कर उनमें संगठन, समन्वय, शक्ति और साहस का संचार करती है । इसके बल पर तुच्छ से तुच्छ प्राणी भी बड़े-बड़े कार्य पूरे कर डालता है । साधारण से तिनके को जब अन्य तिनकों का बल मिल जाता है तब वह एक मस्त मतवाले हाथी को भी अचल कर देता है । जल की अनेकानेक बूँदें जब मिल जाती हैं, तब महासागर का निर्माण कर डालती हैं । छोटी-छोटी चींटियों के दल विषधर भुजंगों को भी चाट जाते हैं । मानव-शरीर तो स्वयं एकता का श्रेष्ठ दृष्टांत है ।

वह समाज नष्ट हो जाता है जिसके सदस्य आपस में एक नहीं होते । वह राष्ट्र उन्नतिशील नहीं होता जिसके नागरिक मात्र स्वार्थपूर्ति में लगे रहते हैं और जिनकी सामूहिक शक्ति का विकास नहीं होता । समाज में उन परिवारों की दुर्दशा आए दिन देखने को मिलती है जिसके सदस्य पारस्परिक फूट के कारण पारिवारिक बँटवारा करके अलग-अलग परिवार बसाने लगते हैं । 'हम तभी खड़े हैं जब तक हम संगठित हैं, जहाँ असंगठित हुए वहीं हम गिरे । जहाँ एकता नहीं विनाश निश्चित है ।'

एकता की स्थापना उतनी सहज बात नहीं । यह वहीं स्थापित हो सकती है जहाँ त्याग, क्षमा, सहयोग और सहानुभूति की भावनाएँ होती हैं । अहंकार और स्वार्थ एकता के शत्रु हैं । मनुष्य स्वभाव से भूलें करता है । यदि उन भूलों को क्षमा न किया जाय तो आपसी कटुता, भय और शत्रुता का वातावरण बनता है । ऐसे वातावरण में एकता कभी नहीं फलती-फूलती । यदि हम पारस्परिक स्नेह-भावना का विकास करें और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनें तो एकता की भावना का विकास निश्चय ही होगा ।

(i) मनुष्य को सामाजिक प्राणी क्यों कहा जाता है ?

- (a) सामाजिक इकाई का अंग होने के कारण
- (b) समाज में उसके हितों की रक्षा के कारण
- (c) समूह में रहने की इच्छा के कारण
- (d) समाज में रहकर उसके व्यक्तित्व-विकास के कारण

(ii) मनुष्य को सहयोगियों की आवश्यकता क्यों पड़ी ?

- (a) कार्य को सुगमतापूर्वक करने के लिए
- (b) जंगलों और गुफ़ाओं के भय से बचने के लिए
- (c) समाज की संरचना के लिए
- (d) भोजन और सुरक्षा के लिए

(iii) 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता' कहावत के विपरीत अर्थ को व्यक्त करने वाला विकल्प है :

- (a) अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता
- (b) संगठन में शक्ति है
- (c) अकेले व्यक्ति में कोई सामर्थ्य नहीं
- (d) एकता की भावना

(iv) एकता का प्रमुख लक्षण क्या है ?

- (a) उद्देश्य प्राप्ति हेतु एकमत होकर चेष्टा करना
- (b) उद्देश्य प्राप्ति हेतु दिन-रात परिश्रम करना
- (c) उद्देश्य प्राप्ति हेतु अहंकार छोड़कर चेष्टा करना
- (d) उद्देश्य प्राप्ति हेतु स्वार्थ छोड़कर चेष्टा करना

(v) गद्यांश के आधार पर किसी भी राष्ट्र के पतन के प्रमुख कारकों में से कौन-सा कारक ***असत्य*** है ?

(a) नागरिकों का परस्पर संगठित होना

(b) नागरिकों में स्वार्थपूर्ति की भावना न होना

(c) आधुनिक तकनीक पर बढ़ती निर्भरता

(d) सामूहिक शक्ति का विकास होना

(vi) एकता के फलने-फूलने के लिए आवश्यकता है :

(a) पारस्परिक कटुता, भय और शत्रुता की

(b) पारस्परिक स्नेह-भावना और सहभागिता की

(c) एक-दूसरे के सुख-दुख से तटस्थता की

(d) अपराजेयता, साहस और सहानुभूति की

(vii) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : एकता की स्थापना सहज बात नहीं है ।

कारण (R) : एकता के लिए अहंकार और स्वार्थ को छोड़ त्याग और क्षमा को धारण करना पड़ता है ।

(a) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(viii) 'जहाँ असंगठित हुए वहीं हम गिरे' — इस कथन के माध्यम से लेखक सिद्ध करना चाहता है :

(a) जहाँ त्याग नहीं वहाँ विनाश निश्चित है ।

(b) जहाँ प्रतिस्पर्धा नहीं वहाँ उन्नति असंभव है ।

(c) जहाँ स्वार्थपरता वहाँ विनाश निश्चित है ।

(d) जहाँ एकता नहीं वहाँ पतन निश्चित है ।

(ix) गद्यांश के आधार पर समाज में परिवारों की दुर्दशा का क्या कारण है ?

(a) एकल परिवारों में रहने की इच्छा

(b) संयुक्त परिवारों में बढ़ती स्वार्थपरता

(c) पारस्परिक फूट के कारण पारिवारिक बँटवारा

(d) व्यस्त जीवन-शैली के चलते परिवार पर ध्यान न देना

(x) गद्यांश के अनुसार महासागर का निर्माण होता है :

(a) नदियों की अनेक धाराओं से

(b) वर्षा के अनेक जल-प्रपातों से

(c) जल की अनेकानेक बूँदों से

(d) नहरों के अनेक स्रोतों से

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

मैंने देखा
एक बूँद सहसा
उछली सागर के झाग से;
रंग गई क्षणभर
ढलते सूरज की आग से ।
मुझको दीख गया :
सूने विराट् के सम्मुख
हर आलोक-छुआ अपनापन
है उन्मोचन
नश्वरता के दाग से ।

(i) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने व्याख्यायित किया है :

(a) बूँद के माध्यम से जीवन की अमरता को

(b) बूँद के माध्यम से सागर की नश्वरता को

(c) बूँद के माध्यम से जीवन की क्षणभंगुरता को

(d) बूँद के माध्यम से सागर की क्षणभंगुरता को

(ii) कविता में प्रयुक्त 'बूँद' शब्द किसका प्रतीक है ?

(a) संसार का

(b) जीवन का

(c) पानी का

(d) ईश्वर का

(iii) कविता में प्रयुक्त 'सागर' शब्द किसका प्रतीकार्थ है ?

(a) समुद्र का

(b) अथाह जल का

(c) प्रकृति का

(d) संसार का

(iv) प्रस्तुत कविता में कवि ने किसकी महत्ता प्रतिपादित की है ?

(a) क्षण की

(b) जल की

(c) बूँद की

(d) प्रकृति की

(v) 'सूने विराट के सम्मुख' पंक्ति में 'विराट' शब्द से किसकी ओर संकेत है ?

(a) प्रकृति

(b) ब्रह्म

(c) समुद्र

(d) संसार

(vi) 'उन्मोचन' का अर्थ हो सकता है ?

(a) अलग होने के बोध से मुक्ति

(b) स्वतंत्र होने के बोध से मुक्ति

(c) नष्ट होने के बोध से मुक्ति

(d) परतंत्र होने के बोध से मुक्ति

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते । आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है । संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं । गाँव के लोगों की ग़लत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है । न आगे नाथ, न पीछे पगहा । बिना मज़दूरी लिए जो गाँव-गाँव संवाद पहुँचावे, उसको और क्या कहेंगे ? ... औरतों का गुलाम । जरा-सी मीठी बोली सुनकर ही नशे में आ जाए, ऐसे मर्द को भी भला मर्द कहेंगे ?

(i) 'न आगे नाथ, न पीछे पगहा' कहावत का अर्थ है :

(a) घर-परिवार से अलग

(b) जिसका कोई नहीं हो

(c) बाधाओं से स्वतंत्र

(d) जिम्मेदारियों से मुक्त

(ii) संवाद पहुँचाने का काम सभी क्यों नहीं कर सकते ?

(a) समय के अभाव के कारण

(b) समानुभूति की भावना के अभाव के कारण

(c) संवेदनशील नहीं होने के कारण

(d) पारिवारिकता के कारण

(iii) संवदिया को आम लोगों से अलग क्यों समझा जाता है ?

(a) संवाद सुनाने की कला में निपुणता के कारण

(b) संवाद याद रखने की विशेषता के कारण

(c) पारिश्रमिक के बिना काम करने के कारण

(d) केवल औरतों के संवाद ले जाने के कारण

(iv) संवदिया के प्रति गाँव के लोगों की विपरीत धारणा क्यों है ?

(a) पैसा कमाने को महत्त्वपूर्ण मानने से

(b) रोज़गार के अन्य कार्यों को महत्त्वपूर्ण मानने से

(c) संवदिया के कार्य को नहीं समझने से

(d) संवाद के महत्त्व को नहीं समझने से

(v) गाँव के लोग संवदिया को औरतों का गुलाम क्यों मानते हैं ?

(a) पारिश्रमिक लिए बिना औरतों का काम करने के कारण

(b) औरतों के साथ हमेशा रहने के कारण

(c) औरतों के प्रति विशेष सहानुभूति रखने के कारण

(d) मर्दों से दूर रहने के कारण

(vi) गाँव वालों की दृष्टि में मर्द होने का अर्थ है ?

(a) औरतों से अलग रहना

(b) औरतों के मोह से मुक्त रहना

(c) औरतों का काम नहीं करना

(d) औरतों से बात नहीं करना

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) 'झोंपड़ी की आग ईर्ष्या की आग की भाँति कभी नहीं बुझती' — का आशय है :

(a) झोंपड़ी की आग ईर्ष्या की आग की तरह कभी नहीं बुझती ।

(b) झोंपड़ी की आग नहीं बुझती है, ईर्ष्या की बुझती है ।

(c) झोंपड़ी की आग हमेशा जलती रहती है ।

(d) झोंपड़ी में आग लगने पर नहीं बुझती है ।

(ii) 'यह सुभागी को बहका कर ले जाने का जरीबाना है' — यह कथन भैरों के किस मनोभाव को व्यक्त करता है ?

(a) प्रेम (b) मोह

(c) द्वेष (d) क्रोध

(iii) बतख अपने अंडे को पंख फुलाकर छिपाए क्यों रखती है ?

(a) गरमाहट के लिए

(b) आराम के लिए

(c) विकसित करने के लिए

(d) दुनिया से बचाने के लिए

(iv) बिसनाथ मान ही नहीं सकते कि बिस्कोहर से अच्छा कोई गाँव हो सकता है, क्यों ?

(a) अपने गाँव की सुंदरता के कारण

(b) गाँव में रहने के कारण

(c) स्वयं गाँव की प्रकृति से प्रेम होने के कारण

(d) अपने गाँव से मोह और प्रेम के कारण

(v) 'थोड़ी देर में लगने लगा कि चौमासा अभी गया नहीं है' — यहाँ 'चौमासा' से किन महीनों का बोध होता है ?

(a) जेठ, आषाढ़, सावन, भादव

(b) आश्विन, कार्तिक, अगहन, पूस

(c) माघ, फागुन, चैत, वैशाख

(d) सावन, माघ, चैत, आषाढ़

6. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए :

	कॉलम 'क'		*कॉलम 'ख'*
(अ)	फ़ीचर	(I)	घुटने टेकना
(ब)	खेल	(II)	निवेशक
(स)	कारोबार	(III)	संवाददाता
(द)	बीट	(IV)	कथात्मकता

कॉलम 'क' और कॉलम 'ख' के उचित मिलान को व्यक्त करने वाला विकल्प है :

(a) (अ) – (IV), (ब) – (I), (स) – (II), (द) – (III)

(b) (अ) – (IV), (ब) – (III), (स) – (I), (द) – (II)

(c) (अ) – (III), (ब) – (I), (स) – (II), (द) – (IV)

(d) (अ) – (II), (ब) – (IV), (स) – (I), (द) – (III)

(ii) फ़ीचर लेखन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(I) फ़ीचर समाचार से अलग होता है ।

(II) फ़ीचर एक सृजनात्मक लेखन है ।

(III) फ़ीचर सिर्फ पाठकों का मनोरंजन करता है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

(a) केवल (I)

(b) केवल (II)

(c) केवल (I) और (II)

(d) (I), (II) और (III)

(iii) अख़बारों में समाचार लेखन और फ़ीचर लेखन के अलावा विचारपरक सामग्री का भी प्रकाशन क्यों होता है ?

(a) इससे अख़बार में विविधता आती है

(b) इससे अख़बार में नवीनता आती है

(c) इससे अख़बार की छवि बनती है

(d) इससे अख़बार में अनोखापन आता है

(iv) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : शशि भुगतान के आधार पर विभिन्न अख़बारों के लिए लिखता है ।

कारण (R) : वह एक फ्रीलांसर पत्रकार है ।

(a) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(v) समाचार लेखन के छह ककार में से सूचनात्मक ककार कौन-कौन-से हैं ?

(a) क्या, कैसे, कौन, क्यों

(b) क्या, कौन, कब, कहाँ

(c) क्यों, कैसे, कब, कहाँ

(d) कहाँ, कब, कैसे, क्यों

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) 40 अंक

7. निम्नलिखित तीन शीर्षकों में से किसी ***एक*** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) माँ की अनुपस्थिति में अतिथि का आना

(ख) जल ही जीवन है

(ग) लालच बुरी बलाय

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) क्या कारण है कि दुनिया के हर बच्चे की पढ़ाई नर्सरी गानों से शुरू होती है ?

(ख) नाटककार को यह क्यों सोचना चाहिए कि दर्शक कितनी देर तक किसी कहानी को अपने सामने घटित होते देख सकता है ?

(ग) कहानी में पात्रों के संवाद महत्त्वपूर्ण क्यों होते हैं ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) संपादकीय पृष्ठ को समाचार-पत्र का सबसे महत्त्वपूर्ण पृष्ठ क्यों माना जाता है ?

(ख) 'एंकर बाइट' क्या है ? इसकी आवश्यकता क्यों है ?

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) सरोज का विवाह अन्य विवाहों से किस प्रकार भिन्न था ? 'सरोज-स्मृति' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ख) बनारस की पूर्णता और रिक्तता को कवि ने किस प्रकार दर्शाया है ? 'बनारस' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'तोड़ो' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

शिवालिक की सूखी नीरस पहाड़ियों पर मुस्कुराते हुए ये वृक्ष द्वंद्वातीत हैं, अलमस्त हैं । मैं किसी का नाम नहीं जानता, कुल नहीं जानता, शील नहीं जानता पर लगता है, ये जैसे मुझे अनादि काल से जानते हैं । इन्हीं में एक छोटा सा, बहुत ही ठिगना पेड़ है, पत्ते चौड़े भी हैं, बड़े भी हैं । फूलों से तो ऐसा लदा है कि कुछ पूछिए नहीं । अजीब सी अदा है, मुस्कुराता जान पड़ता है ।

12. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,
मूदि रहए दु नयान ।
कोकिल-कलरव, मधुकर-धुनि सुनि,
कर देइ झाँपइ कान ।।
माधब, सुन-सुन बचन हमारा ।
तुअ गुन सुंदरि अति भेल दूबरि –
गुनि-गुनि प्रेम तोहारा ।।

अथवा

(ख) जैसे बहन 'दा' कहती है
ऐसे किसी बँगले के किसी तरु (अशोक ?) पर कोई चिड़िया कुऊकी
चलती सड़क के किनारे लाल बजरी पर चुरमुराए पाँव तले
ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े-बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई ।

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) रामचंद्र शुक्ल का हिन्दी के प्रति रुचि उत्पन्न करने में उनके पिताजी के योगदान को रेखांकित कीजिए ।

(ख) 'आँखों देखा ढेला अच्छा ही होना चाहिए लाखों कोस की तेज पिण्ड से ।' 'ढेले चुन लो' से उद्‌धृत प्रस्तुत पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) संभव अधिक शारीरिक परिश्रम में विश्वास क्यों नहीं करता था ? 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर लिखिए ।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *3*

(क) हमारी आज की सभ्यता नदियों के प्रति उदासीन है — कैसे ? 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर लिखिए ।

अथवा

(ख) 'वर्तमान समय में माताएँ नवजात शिशुओं को दूध पिलाना नहीं चाहतीं' — इसके कारण तथा प्रभाव पर विचार व्यक्त कीजिए ।